चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	26-10-23	4	1-2

एचएयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज से होगा शुरू

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समाज शास्त्र और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी) आईडीपी की ओर से 26-27 अक्तूबर को राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज मुख्य अतिथि रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में एनएएचईपी-आईडीपी के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. नवीन कुमार जैन होंगे। उत्तर-पश्चिमी भारतीय समाजशास्त्रीय संघ (एनडब्ल्यूआईएसए) के अध्यक्ष डॉ. सुखदेव सिंह मुख्य वक्ता होंगे।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि सम्मेलन में हरियाणा,

हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल व कश्मीर के प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर से आए प्रतिभागी भाग लेंगे। सम्मेलन में कृषक समाज के सतत विकास एवं सामाजिक-आर्थिक उत्थान विषय पर व्याख्यान होंगे। साथ ही पोस्टर प्रस्तुतियां भी दी जाएगी।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर किसानों की आजीविका, भुखमरी, पर्यावरण संरक्षण, खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, संसाधनों व अवसरों का समान वितरण में सुधार लाने के लिए नवीन विचारों और दृष्टिकोण सहित अन्य विषयों पर अहम जानकारियां प्रदान की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26-10-23		

एचएयू: दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ आज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समाज शास्त्र और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी) आईडीपी द्वारा कृषक समाज के विकास एवं सामाजिक-आर्थिक उत्थान विषय पर 26 व 27 अक्तूबर को राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में एनएएचईपी-आईडीपी के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. नवीन कुमार जैन और उत्तर-पश्चिमी भारतीय समाजशास्त्रीय संघ (एनडब्लयूआईएसए) के अध्यक्ष डॉ. सुखदेव सिंह मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत करेंगे। राष्ट्रीय सम्मेलन में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर से आए प्रतिभागी भाग लेंगे। राष्ट्रीय सम्मेलन में कृषक समाज के विकास एवं सामाजिक-आर्थिक उत्थान विषय पर प्रतिभागियों द्वारा व्याख्यान एवं पोस्टर प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	26-10-23	5	7-8

हकृवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन कल से शुरू

राष्ट्रीय सम्मेलन में हरियाणा सहित पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश व जम्मू-कश्मीर से आए प्रतिभागी भाग लेंगे

हिसार, 25 अक्तूबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समाज शास्त्र और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी)-आईडीपी द्वारा कृषक समाज के सतत विकास एवं सामाजिक-आर्थिक उत्थान विषय पर 26 व 27 अक्तूबर को राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में एनएएचईपी-आईडीपी के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. नवीन कुमार जैन और उत्तर-पश्चिमी भारतीय समाजशास्त्रीय संघ (एनडब्ल्यू आईएसए) के अध्यक्ष डॉ. सुखदेव सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहेंगे।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन में हरियाणा सहित पड़ोसी राज्यों पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर से आए प्रतिभागी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन में कृषक समाज के सतत विकास एवं सामाजिक-आर्थिक उत्थान विषय पर प्रतिभागियों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। साथ ही पोस्टर प्रस्तुतियां भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर किसानों की आजीविका, भुखमरी, पर्यावरण संरक्षण, खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, संसाधनों व अवसरों का समान वितरण में सुधार लाने के लिए नवीन विचारों और दृष्टिकोण सहित अन्य विषयों पर अहम जानकारियां प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा सायंकाल में राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागी गीत-संगीत, नृत्य, नाटक-कला, लोक परंपराओं, कला-प्रदर्शन, धार्मिक-संस्कारों से रूबरू करवाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	26-10-23	3	8

हकृवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज से शुरू

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समाज शास्त्र व राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी) आइडीपी द्वारा कृषक समाज के सतत विकास एवं सामाजिक-आर्थिक उत्थान विषय पर 26 व 27 अक्टूबर को राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्यातिथि रहेंगे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में एनएएचईपी-आइडीपी के राष्ट्रीय समन्वयक डा. नवीन कुमार जैन और उत्तर-पश्चिमी भारतीय समाजशास्त्रीय संघ (एनडब्लयूआइएसए) के अध्यक्ष डा. सुखदेव सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहेंगे। पोस्टर प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	26-10-23	3	8

हकृवि में राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

हिसार, 25 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समाज शास्त्र और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना द्वारा कृषक समाज के सतत विकास एवं सामाजिक-आर्थिक उत्थान विषय पर 26 व 27 अक्तूबर को राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. नवीन कुमार जैन और डॉ. सुखदेव सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहेंगे।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन में हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर से आए प्रतिभागी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन में कृषक समाज के सतत विकास एवं सामाजिक-आर्थिक उत्थान विषय पर प्रतिभागियों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	26-10-23	12	1

एचएयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समाज शास्त्र और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी)-आईडीपी की ओर से कृषक समाज के सतत विकास एवं सामाजिक-आर्थिक उत्थान विषय पर 26 व 27 अक्टूबर को राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	26.10.2023	--	--

हकृवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज से शुरू

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समाज शास्त्र और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी)-आईडीपी द्वारा कृषक समाज के सतत विकास एवं सामाजिक-आर्थिक उत्थान विषय पर 26 व 27 अक्तूबर को राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में एनएएचईपी-आईडीपी के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. नवीन कुमार जैन और उत्तर-पश्चिमी भारतीय समाजशास्त्रीय संघ (एनडब्लयूआईएसए) के अध्यक्ष डॉ. सुखदेव सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहेंगे।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन में हरियाणा सहित पड़ोसी राज्यों पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर से आए प्रतिभागी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय सम्मेलन में कृषक समाज के सतत विकास एवं सामाजिक-आर्थिक उत्थान विषय पर प्रतिभागियों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। साथ ही पोस्टर प्रस्तुतियां भी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	25.10.2023	--	--

हकृवि में दो दिवसीय सम्मेलन कल से

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के समाज शास्त्र और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (एनएएचईपी)-आईडीपी द्वारा कृषक समाज के सतत विकास एवं सामाजिक-आर्थिक उत्थान विषय पर 26 व 27 अक्तूबर को राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में एनएएचईपी-आईडीपी के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. नवीन कुमार जैन और उत्तर-पश्चिमी भारतीय समाजशास्त्रीय संघ के अध्यक्ष डॉ. सुखदेव सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहेंगे।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि सम्मेलन में हरियाणा सहित पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर से प्रतिभागी भाग लेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26-10-23	5	1-4

रबी की बिजाई • हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने जारी की गेहूं की किस्मों की सिफारिशें

कम खाद व पानी वाली गेहूं की किस्में सी-306, डब्ल्यूएच-1080, एचडी-3043 व पीबीडब्ल्यू-644 की करें बिजाई

यशपाल सिंह/कृष्ण धनखड़ | हिसार/गन्नौर

गेहूं देशभर की 35 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या का भोजन है। भारत में गेहूं की तीन प्रजातियां उगाई जाती हैं, जिसमें 95 प्रतिशत चपाती वाली गेहूं, 4 प्रतिशत कठिया गेहूं, जिससे पास्ता, मैकरोनी, सैमिया, नुडल्स आदि बनाई जाती है और 1 प्रतिशत खपली गेहूं की बिजाई की जाती है। किसान अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर के पहले सप्ताह तक कम खाद व पानी वाली गेहूं कि सी-306, डब्ल्यूएच-1080, एचडी-3043 व पीबीडब्ल्यू-644 किस्मों का चयन करें।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि गेहूं की बिजाई अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से शुरू हो जाती है। नवंबर बिजाई के लिए उपयुक्त है। दिसंबर के तीसरे सप्ताह तक पछेती किस्मों की बिजाई की जा सकती है। विश्वविद्यालय ने उन्नत किस्मों के बीजों की सिफारिश की है।

अगेती किस्में

- समयः अक्टूबर के आखिरी सप्ताह से नवंबर का पहला सप्ताह।
- कम खाद व पानी वाली किस्में : सी-306, डब्ल्यूएच 1080, एचडी-3043 व पीबीडब्ल्यू-644
- सिंचित दशा व अधिक उपजाऊ भूमि के लिए किस्में : डब्ल्यूएच-1270, डीबीडब्ल्यू 187, डीबीडब्ल्यू-303 और डीबीडब्ल्यू-327 की बिजाई करें।
- (नवंबर के पहले सप्ताह से तीसरे सप्ताह तक) उपजाऊ भूमि व सिंचित दशा की किस्में : डब्ल्यूएच-1105, डब्ल्यूएच-1184, डीबीडब्ल्यू-222, एचडी-3086, एचडी-3226, पीबीडब्ल्यू-826, डीबीडब्ल्यूएच-221
- पछेती बिजाईः (दिसंबर के तीसरे सप्ताह तक) : डब्ल्यूएच-1124, एचडी-3059, डीबीडब्ल्यू-173, पीबीडब्ल्यू-771 व एचडी-3298

अधिक उत्पादन लेने के लिए ये एहतियात बरतें किसान

- बीज उपचारः गेहूं की खुली व पत्तों की कांगियारी रोग से बचाव के लिए कार्बोक्सिन या कार्बेंडाइजिम 2 ग्राम प्रति किलो या टेबुकोनाजोल एक ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें। वैज्ञानिक डॉ. ओपी बिश्नोई के अनुसार अधिक उपज देने वाली अगेती किस्मों का चयन करें। शुद्ध नाइट्रोजन 225, फास्फोरस 90, पोटाश 60, जिंक सल्फेट 25 किलोग्राम, 15 टन गोबर की खाद प्रति हैक्टेयर वृद्धि नियंत्रकों के साथ प्रयोग की सिफारिश की जाती है। फास्फोरस, पोटाश, जिंकसल्फेट, की पूरी मात्रा तथा नाइट्रोजन की एक तिहाई मात्रा बिजाई के समय दें और बाकी नाइट्रोजन पहली सिंचाई व दूसरी सिंचाई पर दें।

गेहूं की फसल का फाइल फोटो।

- खरपतवार नियंत्रणः चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए- 2, 4 डी सोडियम साल्ट 80 प्रतिशत की 250 ग्राम या मैटसलफ्यूरोन की 8 ग्राम या कारफेन्ट्राजोन का छिड़काव करें।
- संकरी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिएः क्लोडीनाफोप की 160 ग्राम या सल्फोसल्फ्यूरान की 13 ग्राम या फीनोक्साप्रोप की 400 ग्राम मिली प्रति एकड़ मात्रा या 200 लीटर पानी में घोल बनाकर 30 से 35 दिन बाद छिड़काव करें।
- चौड़ी व संकरी पत्ती वाले दोनों तरह के खरपतवार नियंत्रण के लिएः टोटल की 16 ग्राम या एटलांटिस की 160 ग्राम या वेस्टा की 160 ग्राम या एकोर्ड प्लस की 500 मिली प्रति एकड़ मात्रा को 200 लीटर पानी में घोल बनाकर बिजाई के 30 से 35 दिन बाद छिड़काव करें।

सिंचाईः गेहूं की फसल में सामान्यतः 5 से 6 सिंचाई की आवश्यकता होती है, जिसमें पहली सिंचाई बिजाई के 21 दिन बाद तथा उसके बाद की सिंचाईयां खेत में नमी के आधार पर 20 से 25 दिनों के अंतराल पर करनी चाहिए।

समय पर बिजाई के लिए किस्में डब्ल्यूएच-1105, एचडी-2967, एचडी-3086, एचडी-3226, डीबीडब्ल्यू-187 (करण वंदना), डीबी डब्ल्यू-222 (करण नरेंद्र), डब्ल्यू एच-1184, पीबी डब्ल्यू-826

अगेती बिजाई के लिए ये भी हैं किस्में डीबी-303 (करण वैष्णवी), डब्ल्यू एच-1270, डब्ल्यू एच-1080, डब्ल्यू एच-1142

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26-10-23	1	1-4

भास्कर खास • नर्सरी के अलावा ऑनलाइन भी इंडोर पौधों की हो रही सेल, हैंगिंग, रूफ टॉप और लॉन में गार्डनिंग का बढ़ा चलन

प्रदूषण से बचने के लिए घरों के अंदर रखने वाले पौधों की बिक्री बढ़ी

भास्कर अभियान **स्वच्छ हवा स्वस्थ जिंदगी**

यशपाल सिंह | हिसार

शहर में आबोहवा बिगड़ने के साथ ही एयर क्वालिटी इंडेक्स के बढ़ने के कारण घरों में इंडोर, लॉन, रुफ टॉप और हैंगिंग एयर प्यूरीफायर पौधों का चलन बढ़ रहा है। अपने ड्राइंग रूम, लॉबी, बेडरूम में लोग एयर प्यूरीफाई करने वाले पौधे रख रहे हैं। ऑनलाइन भी लोग एयर प्यूरीफाई करने वाले पौधों का ऑर्डर कर रहे हैं। हवा को शुद्ध करने वाले पौधों की नर्सरियों में भी सेल बढ़ रही है। चार से पांच पौधों के सैट भी ऑनलाइन साइट्स और नर्सरी पर उपलब्ध हैं। शॉपिंग साइट्स और नर्सरीज में एयर प्यूरीफायर प्लांट्स के कॉम्बो ऑफर भी आ रहे हैं।

बंबू प्लांट - यह प्लांट छोटे पॉट में लग जाता है। यह हवा से कार्बन मोनोऑक्साइड और बेंजीन जैसी जहरीली गैसों को खत्म करता है।

स्नेक प्लांट: यह बेस्ट एयर प्यूरीफायर इंडोर प्लांट है। ये पौधा नाइट्रोजन डाईऑक्साइड को बाहर फेंकता है और फ्रेश ऑक्सीजन छोड़ता है।

क्रसुला ग्रीन मिनी या जेड प्लांट - इससे घर के अंदर की हवा साफ रहती है। यह रात में ऑक्सीजन छोड़ता है। धूल और एलर्जी पैदा करने वाले कणों से बचाता है।

पीस लिली: पीस लिली रूम से सभी विषैले प्रदूषकों को हटा देता है। यह कार्बन मोनो ऑक्साइड, फॉर्मेलडेहाइड और बेंजीन जैसी जहरीली गैसों को खत्म करता है।

मनी प्लांट: यह पौधा पॉट या बोतल में आसानी से उगाया जा सकता है। यह पौधा एयर प्यूरीफायर का भी काम करता है। हवा से रासायनिक विषाक्त पदार्थों को कम करता है।

"प्रदूषण से बचने के लिए लोग घरों में एयर प्यूरीफाई करने वाले इंडोर पौधों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इंडोर पौधे कमरों में हानिकारक गैसों को सोख लेते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं। पेंट व फर्नीचर की स्मेल को भी दूर करते हैं।" - डॉ. अरविंद मलिक, इंचार्ज, एग्री टूरिज्म सेंटर, एचएयू।